

UPSC CSE 2021 MAINS PAPER 7 JANUARY 16, 2022 LAW OPTIONAL PAPER-II QUESTION PAPER
 विषय DETACHABLE

विधि (प्रश्न-पत्र II)

LAW (Paper II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे
 Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
 Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।
 इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं ।
 उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।
 प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
 प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।
 प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।
 प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए ।
 प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये। प्रासंगिक प्रावधानों तथा न्यायिक निर्णयों को अपने उत्तर के समर्थन में दीजिए।
Answer the following in about 150 words each. Support your answer with relevant provisions and judicial pronouncements. 10×5=50
1. (a) 'विधि के अनुसार पागलपन' का क्या मतलब है जो एक आरोपी को आपराधिक दायित्व से छूट का हकदार बनाता है ?
What amounts to 'Legal Insanity' that would entitle an accused for exemption from Criminal Liability ? 10
1. (b) आई.पी.सी. 1860 के तहत हत्या के आरोप के बचाव के रूप में 'गंभीर और अचानक प्रकोपन' पर चर्चा कीजिए।
Discuss 'Grave and Sudden Provocation' as a defence to charge of murder under IPC, 1860 ? 10
1. (c) सी.आर.पी.सी. 1973 के तहत अभिवाक् सौदेबाजी (प्ली बारगेनिंग) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। किन मामलों में प्ली बारगेनिंग उपलब्ध नहीं है ?
Explain the concept of Plea-bargaining under the Cr.P.C. 1973. In what cases Plea-bargaining is not available ? 10
1. (d) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत परिभाषित, 'उपभोक्ता' के दायरे और गुंजाइश (एम्बिट एंड स्कोप) पर चर्चा करें।
Discuss the ambit & scope of 'consumer' as defined under the Consumer Protection Act, 2019. 10
1. (e) 'द्वेषपूर्ण अभियोजन' का गठन किस प्रकार होता है ? यह 'मिथ्या कारावास' से कैसे अलग है ?
What constitutes 'Malicious Prosecution' ? How it is different from 'False Imprisonment' ? 10
2. (a) क्या आई.पी.सी., 1860 में 'प्रयत्न' (अटैम्प्ट) को कहीं पर परिभाषित किया गया है ? क्या एक कार्य किसी अपराध को करने की तैयारी या प्रयास के बराबर है, यह निर्धारित करने के लिये विभिन्न परीक्षण क्या हैं ? प्रासंगिक निर्णयजन्य विधि/केस कानूनों की सहायता से व्याख्या कीजिए।
Has 'Attempt' been defined anywhere in the IPC, 1860 ? What are the various tests for determining, whether an act amounts to preparation or attempt to commit an offence ? Explain with the help of relevant case laws. 20
2. (b) निम्नलिखित के बीच अंतर करें :
Differentiate between the following : 5×3=15
2. (b)(i) 'व्यपहरण' (किडनैपिंग) एवं 'अपहरण' (ऐबडक्शन) (ii) बलवा (रायट) और दंगा (ऐफ़फ़रे)
'Kidnapping' and 'Abduction' 'Riot' and 'Affray'
- (iii) 'आपराधिक न्यास-भंग' और 'बेईमानी से संपत्ति का दुर्विनियोग'।
'Criminal Breach of Trust' and 'Dishonest Misappropriation of property'.
2. (c) विभिन्न प्रकार के 'नुकसान' क्या हैं जो एक वादी (प्लैन्टिफ़) टोर्ट्स कानून के तहत एक उपाय के रूप में लाभ उठा सकता है ? किन परिस्थितियों में 'संभावित मुआवजा' दिया जा सकता है ?
What are the various kinds of 'damages' that a plaintiff can avail as a remedy under the law of Torts ? Under what circumstances can "prospective damages" be awarded ? 15
3. (a) भारत में बलात्कार कानूनों के विकास पर 'मथुरा' से 'निर्भया' और उसके आगे तक चर्चा कीजिए।
From 'Mathura' to 'Nirbhaya' and beyond, discuss the development of Rape laws in India. 20

3. (b) एक संश्लेष कार्य के लिये 'संयुक्त अपकृत्यकर्ताओं' के दायित्व की व्याख्या कीजिए। स्वतंत्र अपकृत्यकर्ता के दायित्व से यह किस प्रकार भिन्न है ?
Explain the liability of 'Joint Tortfeasors' for a wrongful Act. How is it different from the liability of 'Independent Tortfeasors' ? 15
3. (c) 'लापरवाही' के बाद में, प्रतिवादी के दीवानी दायित्व को सुनिश्चित करने के लिये, वादी को क्या स्थापित करने की आवश्यकता होती है ? स्वयं प्रमाण 'रैस इप्सा लोक्विटर' का सूत्र कैसे लागू किया जाता है ?
In an action for 'Negligence', what does the plaintiff need to establish in order to affix civil liability of defendant ? What does it take for the maxim 'res ipsa loquitor' to apply ? 15
4. (a) विनिश्चित मामलों (डिसाइडेड केसेस्) की मदद से भारत में, 'नो-फाल्ट लायाबिलिटी' से संबंधित नियम के उद्भव एवं विकास पर चर्चा कीजिए।
Discuss the evolution and development of rule relating to 'No-fault liability' in India with help of decided cases. 20
4. (b) एक अभियुक्त को 'मानहानि' के लिये सिविल वाद में कौन से प्रतिवाद उपलब्ध होते हैं ? व्याख्या कीजिए।
What are the defences available to an accused in a civil suit for 'defamation' ? Explain. 15
4. (c) हाल ही में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 में परिवर्तन हुए हैं। निरूपण कीजिए।
Recently there have been changes in Scheduled Castes & Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989. Enumerate. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रासंगिक प्रावधानों तथा न्यायिक निर्णयों को अपने उत्तर के समर्थन में दीजिए।
Answer the following in about 150 words each. Support your answers with relevant provisions and judicial pronouncements. 10×5=50
5. (a) अवयस्क के साथ की गई संविदा प्रारम्भ से ही शून्य (वॉयड एब इनिशियो) मानी जाती है। टिप्पणी कीजिए।
Minor's contract is 'void ab initio'. Comment. 10
5. (b) भारत के उच्चतम न्यायालय के हाल के निर्णय के आलोक में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2019 की संवैधानिकता पर चर्चा कीजिए।
Discuss the constitutionality of Right to Information Act, 2019 in the light of recent judgment by the Supreme Court of India. 10
5. (c) विधिक पदावली में "प्रत्येक व्यक्ति जो दूसरे के लिए कार्य करता है वह (एजेंट) अभिकर्ता नहीं है"। टिप्पणी कीजिए।
In legal phraseology "every person who acts for another is not an agent". Comment. 10
5. (d) दिल्ली — राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण आपातकाल की वर्तमान परिस्थितियों में भारत का 40 वर्ष पुराना 'वायु अधिनियम', 1981 दम तोड़ रहा है। न्यायिक और प्रशासनिक प्रक्रिया के आलोक में कानून की प्रभावशीलता पर टिप्पणी कीजिए।
India's 40 years old 'Air Act', 1981, languishes in the present circumstances of Air pollution emergency in Delhi — National Capital Region. Comment on the effectiveness of law in the light of judicial and administrative mechanism. 10
5. (e) 'व्यापार के वैश्वीकरण के साथ ब्रांड नामों, व्यापार नामों और व्यापार चिह्नों ने असीम महत्त्व प्राप्त कर लिया है और इसलिये एक प्रभावी ट्रेडमार्क कानून की आवश्यकता है'। विवेचना कीजिए।
'With the globalisation of trade, brand names, trade names and trade marks have attained an immense value and therefore it requires an effective trade mark law'. Discuss. 10

6. (a) विभिन्न तरीके क्या हैं जिनमें एक अनुबंध का निर्वहन किया जा सकता है ? निर्णीत मामलों के आलोक में व्याख्या करें ।
What are the various modes in which a contract may be discharged ? Explain in the light of decided cases. 20
6. (b) सेक्शन 66A सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की वैधता और संवैधानिकता पर विस्तारपूर्वक लिखिए ।
Dwell on the legality and constitutionality of Section 66A, Information Technology Act, 2000. 15
6. (c) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following : 5×3=15
6. (c)(i) केविएट एम्प्टर (ii) यूबेरिमा फाइड्स (iii) नेमो डैट क्वोड नॉन हैबेट
Caveat Emptor Uberrima fides Nemo dat quod non habet
7. (a) मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 का सेक्शन 8 एक प्रावधान को दर्शाता है जो मध्यस्थता की प्रक्रिया में न्यायिक हस्तक्षेप को सीमित करता है । इस बिंदु पर निर्णयजन्य विधि विकास (केस लॉ डेवलपमेंट) के समर्थन से कथन का विशदीकरण (इल्यूसिडेट) कीजिए ।
Section 8 of the Arbitration and Conciliation Act, 1996 denotes a provision which limits judicial intervention in the process of arbitration ? Elucidate the statement with support of case law development on the point. 20
7. (b) 'हजारों में कोई एक भी ग्राहक कभी शर्तों को नहीं पढ़ता । यदि वह ऐसा करने के लिये रुक गया होता, वह नाव से चूक गया होता' । उपरोक्त कथन को ध्यान में रखते हुये एक मानक रूपी संविदा की संविदात्मकता का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।
'No customer in a thousand ever read the conditions. If he had stopped to do so, he would have missed the boat'. Critically examine the contractuality of a standard form of contract in view of the above statement. 15
7. (c) न्यायिक दृष्टिकोण के संदर्भ में मीडिया ट्रायल और फेयर ट्रायल के बीच सहजीवी संबंध पर चर्चा करें ।
Discuss the symbiotic relationship between Media Trial and Fair Trial with reference to judicial approach. 15
8. (a) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के अंतर्गत 'क्वेसी कॉन्ट्रैक्ट' की अवधारणा और वर्गीकरण पर चर्चा कीजिए ।
Discuss the concept and classification of 'Quasi contracts' under Indian Contract Act, 1872. 20
8. (b) "सीमित देयता भागीदारी एक वैकल्पिक कॉर्पोरेट प्ररूप है जो एक कंपनी की सीमित देयता और साझेदारी के लचीलेपन का लाभ देता है । उपरोक्त के आलोक में सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा करें ।
"Limited Liability Partnership is an alternative corporate form that gives the benefit of limited liability of a company and flexibility of a partnership". In the light of the above discuss the chief characteristics of Limited Liability Partnership Act, 2008. 15
8. (c) कोई भी कारक जो 'मुक्त सहमति' को दूषित (विशिप्टिंग फ्री कन्सेन्ट) करता है, एक अनुबंध को कैसे प्रभावित करता है ? स्पष्ट कीजिए ।
How does any factor vitiating 'free consent', affect a contract ? Explain. 15